भारत सरकार

मात्स्यिकी, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 524

दिनांक 25 जून, 2019 के लिए प्रश्न

विषय: दिल्ली में दूध का उत्पादन

524. श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्माः

क्या मात्स्यिकी, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों से भारत के कुल वार्षिक दूध उत्पादन में दिल्ली की कितनी हिस्सेदारी रही है;

(ख) क्या खुरपका-मुंहपका रोग (एफएमडी) और ब्रूसेलोसिस जैसे रोग दिल्ली में पशुओं की दूध उत्पादन क्षमता को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहे हैं और यदि हां, तो इसे नियंत्रित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ग) दूध उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने हेतु दिल्ली में पशुपालन और दूध उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

मात्स्यिकी, पशुपालन और डेयरी राज्यमंत्री

(डॉ0 संजीव कुमार बालियान)

(क) पिछले कुछ वर्षों के दौरान दिल्ली से दूध उत्पादन के अनुमान की सूचना नहीं मिली है। उपलब्ध अनुमानों के अनुसार 2013-14 के दौरान दिल्ली का अनुमानित दूध उत्पादन 284.31 मिलियन टन है जो उस वर्ष के दौरान देश में कुल दूध उत्पादन का 0.2% है।

(ख) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सरकार द्वारा की गई सूचना के अनुसार खुरपका तथा मुंहपका रोग (एमएफडी) और ब्रूसेलोसिस के कारण दिल्ली में पशुओं की दूध उत्पादक क्षमता पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है।

(ग) मंत्रिमंडल द्वारा खुरपका तथा मुंहपका रोग तथा ब्रूसेलोसिस के लिए राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम को एक नई केंद्रीय सेक्टर योजना के रूप में 31.5.2019 को अनुमोदित कर दिया गया है। इसमें संपूर्ण गोपशु, भैंस, भेड़, बकरी तथा सूअर आबादी में खुरपका तथा मुंहपका रोग के लिए टीकाकरण करने तथा सभी मादा गोपशुओं तथा भैंस बछड़ों को जीवन में एक बार (4-8 माह की आयु का होने पर) ब्रूसेलोसिस के लिए टीका लगाने के लिए भी 100% वित्तीय सहायता दी जाती है। इसके अलावा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सरकार ने दिल्ली में पशुपालन सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए और भी कदम उठाए हैं, जैसे (i) एफएमडी के विरूद्ध नियमित रूप से द्विवार्षिक टीकाकरण, (ii) दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों/डिस्पेंसरियों के माध्यम से नियमित पशु स्वास्थ्य सेवाएं तथा (iii) नियमित पशु स्वास्थ्य देखभाल कैम्प।

*****